राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 3 अंक 290

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, शनिवार, 28 मार्च 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 14

कोरोना को हराने के लिए सेना का ऑपरेशन नमस्ते

>> 3

कोरोना मीटर

(स्रोत : वर्ल्डोमीटर्स डॉट इंफो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

	विश्व	अमेरिका	चीन	भारत	(21 मार्च)	दिल्ली
कुल केस	5,52,943	85,762	81,340	827	308	40
मौतें	25,045	1,306	3,292	20	4	1
स्वस्थ हुए	1,28,706	1,868	74,588	67	23	5

भारत के प्रमुख राज्य

राज्य	केस	मौतें
केरल	164	0
महाराष्ट्र	156	4
कर्नाटक	64	2
तेलंगाना	59	0
गुजरात	47	3
उत्तर प्रदेश	51	0
राजस्थान	50	0
पंजाब	38	0
अन्य	196	7

समय : रात 11 :45 बजे तक

अन्य प्रमुख देश

देश	केस	मौतें
इटली	80,589	8,215
स्पेन	64,059	4,858
जर्मनी	47,373	285
ईरान	32,332	2,378

निश्चिंत रहें, पूरी तरह सुरक्षित है आपका अखबार

आप सब इससे अवगत ही होंगे कि प्रख्यात डॉक्टर, वैज्ञानिक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ आदि बार-बार यह कह रहे हैं कि अखबारों से कोरोना वायरस के संक्रमण फैलने का कोई खतरा नहीं है। आप पूरी तरह निश्चिंत होने के लिए इस क्यूआर कोड को स्कैन करके खुद देख सकते हैं कि आपका प्रिय दैनिक जागरण समाचार पत्र कितने सुरक्षित तरीके से छपकर आपके हाथों में पहुंचता है। सतर्कता और सजगता की यह प्रक्रिया हम हर दिन-हर क्षण अपनाते हैं, क्योंकि आपकी तरह हम भी कोरोना को परास्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस प्रतिबद्धता को और प्रबल करने के लिए यह आवश्यक है कि आप समाचारों के सबसे विश्वसनीय स्रोत से जुड़े रहें। आपकी तरह हमें भी यह भरोसा है कि हम यह जंग जीतेंगे।

हेल्पलाइन नंबर

कोरोना से जुड़ी सही जानकारी देने के लिए भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों को मोबाइल में सुरक्षित करके कोई भी प्रामाणिक सूचना पाई जा सकती है। कृपया नंबर दर्ज करके वाट्सएप पर सिर्फ नमस्कार का संदेश भेजें। तुरंत एक मेन्यू आएगा, जिसके अनुसार वांछित जानकारी ली जा सकती है।

who:+41 798931892

mygov : +9190131515515

सरकार ने जरूरी चीजों की आपूर्ति के लिए बनाई टास्क फोर्स ● पेज 5

फिलहाल मास टेस्टिंग की जरूरत नहीं : आइसीएमआर ● पेज 6

अक्षय कुमार बोले, इस समय जो घर पर है वही सुपरस्टार ● पेज 7

सरोकार

कोरोनाजानकारी.इन हिंदी दे रही काम की जानकारी

लखनऊ : युवा आइएएस अधिकारी प्रशांत शर्मा ने कोरोना के प्रति लोगों को सही जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कोरोनाजानकारी.इन नामक हिंदी वेबसाइट तैयार की है। (पेज-4)

जागरण विशेष

हारेगा कोरोना! अपना डीएनए ही नहीं आरएनए भी बेजोड़

लखनऊ : शोधकर्ताओं का दावा है कि भारतीयों में विशिष्ट और विरला माइक्रो आरएनए मौजूद है, जिसमें कोरोना वायरस की तीव्रता को कमजोर करने की ताकत है। (पेज-7)

कर्ज सस्ता, ईएमआइ में मोहलत

रेपो रेट में एकमुश्त 75 आधार अंकों की कटौती, तीन महीनों तक ईएमआइ भुगतान पर रोक

जयप्रकाश रंजन ● नई दिल्ली

कोरोना से प्रभावित इकोनॉमी और लॉकडाउन में फंसी आम जनता को सरकार ने वित्तीय राहत का कवच दे दिया है। एक दिन पहले ही गरीब वर्ग के लिए अन्न और धन का इंतजाम करने के बाद शुक्रवार को वेतनभोगी और कारोबारी वर्ग के लिए बड़ी घोषणा कर दी है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बैंकों को हर तरह के टर्म लोन के भुगतान पर तीन महीने तक राहत की अनुमति दे दी है। इसका मतलब हुआ है कि मार्च से मई, 2020 तक के लिए होम लोन, ऑटो लोन, अन्य पर्सनल लोन की मासिक किस्त (ईएमआइ) के साथ क्रेडिट कार्ड बिल के भुगतान से भी छूट दे दी गई है। इसके साथ ही कारोबार चलाते रहने के लिए बैंक लोन लेने वाले उद्यमियों को इस पर देय ब्याज को इन तीन महीनों के लिए टाल दिया गया है। आरबीआइ ने कर्ज को सस्ता करने के लिए रेपो रेट में 75 आधार अंकों और रिवर्स रेपो रेट में 90 आधार अंकों की कटौती व बैंकों के लिए नकद आरक्षित अनुपात को चार से घटाकर तीन फीसद करने का भी फैसला किया है। दूसरे कई कदमों से बैंकिंग व्यवस्था में 3.74 लाख करोड़ रुपये की राशि भी डाली गई है।

आरबीआइ गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास ने माना कि कोविड-19 की वजह से अर्थव्यवस्था के समक्ष जो चुनौतियां बनी हैं, वैसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई। यही वजह है कि 31 मार्च से दो अप्रैल के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा समिति (एमपीसी) की बैठक पहले ही 25-27 मार्च के बीच बुलाई गई। आरबीआइ ने कहा है कि कोरोना वायरस का असर कब तक रहता है, इससे देश की अर्थव्यवस्था की दशा व दिशा भी तय होगी। आरबीआइ ने बताया है कि सभी वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, लोकल एरिया बैंक, एनबीएफसी, हाउसिंग फाइनेंस कंपनी, सहकारी बैंक से लिए गए हर तरह के टर्म लोन (कृषि, खुदरा, फसल समेत) के मासिक किस्त भुगतान पर पहली मार्च से 30 मई, 2020 तक रोक लग जाएगी। सभी संस्थानों के बोर्ड इस अवधि के दौरान किस्त अदाएगी को आगे बढ़ा देंगे। वैसे इस दौरान बकाये कर्ज पर ब्याज की गणना होती रहेगी। आरबीआइ ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन तीन महीनों के दौरान नहीं होने वाले भुगतान से बैंक के वित्तीय प्रदर्शन और ग्राहकों की क्रेडिट रेटिंग पर कोई असर नहीं होगा। यानी जो कर्जदार अपने कर्ज का भुगतान नहीं करेंगे, उसे बैंक एनपीए नहीं मानेंगे।

स्वचालित तरीके से लागू होगा निर्देश पेज>>10

राहत का कवच

- इकोनॉमी पर असर कम करने के लिए मिशन मोड में आरबीआइ
- उद्योग जगत को वर्किंग कैपिटल लोन पर 3 महीने का ब्याज माफ
- वर्ष 2008 के वित्तीय संकट के मुकाबले ज्यादा मजबूत है भारतीय इकोनॉमी की बुनियाद

3.74

लाख करोड़ रुपये की राशि कई अन्य माध्यमों से बैंकिंग व्यवस्था में दी

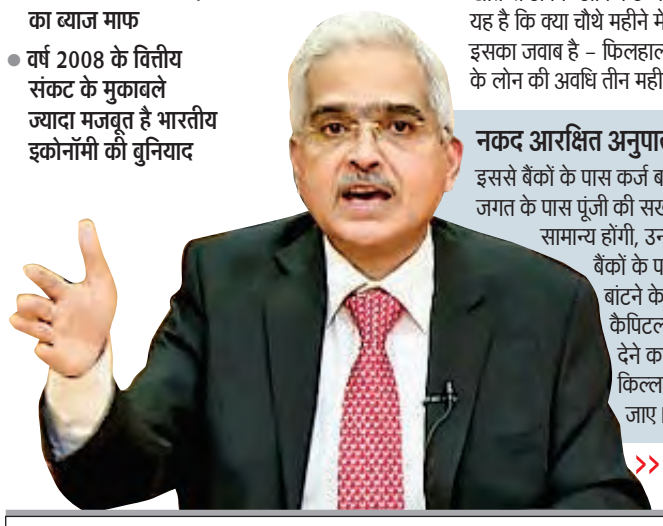

>> मुंबई में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से मीडिया को संबोधित करते आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ● प्रेट्र

यूं समझें आरबीआइ के फैसलों को

लोन पर ईएमआइ में तीन महीने की मोहलत का क्या मतलब है?

आरबीआइ ने अभी तीन महीने के लिए हर तरह के कर्ज की ईएमआइ पर तीन महीनों के लिए रोक लगा दी है। इसका सीधा मतलब यह है कि इस अवधि के दौरान ग्राहकों को कर्ज की ईएमआइ नहीं चुकानी है। अगर ग्राहक की ईएमआइ खाते से अपने-आप कट जाती है, तो इस अवधि में वह नहीं कटेगी। अब सवाल यह है कि क्या चौथे महीने में पिछले तीने महीनों की ईएमआइ चुकानी होगी, तो इसका जवाब है - फिलहाल नहीं। अभी ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है। ग्राहकों के लोन की अवधि तीन महीने बढ़ाई जा सकती है।

नकद आरक्षित अनुपात एक फीसद घटाने से क्या होगा?

इससे बैंकों के पास कर्ज बांटने के लिए ज्यादा रकम बचेगी। अभी कारोबारी जगत के पास पूंजी की सख्त कमी है और जैसे ही बाजारों में गतिविधियां सामान्य होंगी, उन्हें तुरंत अतिरिक्त पूंजी की जरूरत होगी। ऐसे में बैंकों के पास अपने कारोबारी ग्राहकों को कर्ज के रूप में बांटने के लिए ज्यादा से ज्यादा रकम होनी चाहिए। वर्किंग कैपिटल लोन का ब्याज चुकाने में तीन महीने की मोहलत देने का भी मतलब यही है कारोबारी ग्राहकों पर वित्तीय किल्लत के मौजूदा माहौल में ज्यादा दबाव नहीं डाला जाए।

एसबीआइ का कर्ज 0.75 फीसद सस्ता

नई दिल्ली : देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने रेपो रेट में की गई कटौती का फायदा ग्राहकों को देने का फैसला किया है। एसबीआइ ने एलान किया है कि वह सभी तरह के कर्जे पर ब्याज दरों में पहली अप्रैल से 0.75 आधार अंकों की कटौती करेगा। इसका असर यह होगा कि 30 वर्ष की परिपक्वता अवधि वाले होम लोन की मासिक किस्त में 52 रुपये प्रति लाख की कमी आएगी। बैंक ने 28 मार्च से खुदरा सावधि जमा पर ब्याज दरों में 0.20 से 0.50 फीसद और बल्क एफडी में 50 से 100 आधार अंकों की है।

रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट में कटौती का क्या मतलब है?

रेपो रेट में कटौती का मतलब है कि आरबीआइ बैंकों को घटी दरों पर कर्ज देगा। इससे बैंकों के पास ज्यादा कर्ज लेने का विकल्प होगा, जिससे वे ग्राहकों को भी आसानी से ज्यादा कर्ज दे सकेंगे। इससे इकोनॉमिक गतिविधियों में तेजी आएगी। रिवर्स रेपो रेट में कटौती से भी यही होगा कि बैंक जितनी बची रकम आरबीआइ के पास रखते हैं, उस पर उन्हें कम ब्याज मिलेगा। ऐसे में बैंक आरबीआइ के पास पूंजी रखने की बजाय ग्राहकों को कर्ज देकर अधिक ब्याज कमाना उचित समझेंगे। दोनों की स्थितियों में ग्राहकों को फायदा होगा।

देश में एक ही दिन में 125 नए मामले और चार मौतें

- केरल में सबसे ज्यादा 39 और महाराष्ट्र में 28 नए मामले मिले
- संक्रमितों का आंकड़ा 818 पर पहुंच गया है, गुजरात में 18 नए केस मिले

नई दिल्ली, एजेंसियां : देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। एक दिन में संक्रमण के 125 नए मामले सामने आए हैं, जबकि चार लोगों की मौत हो गई है। देशभर में संक्रमितों की संख्या 800 को पार कर गई है। जिसमें 47 विदेशी नागरिक, वायरस के चलते जान गंवाने वाले 20 व्यक्ति और स्वस्थ हो चुके 67 लोग शामिल हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य के स्वास्थ्य विभागों के मुताबिक देश में वायरस से संक्रमित लोगों का आंकड़ा 818 पर पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि इस वायरस के चलते 17 लोगों की जान गई है। महाराष्ट्र में एक दिन में सबसे ज्यादा 28 नए मामले सामने आए हैं और राज्य में संक्रमितों की संख्या 153 हो गई है। मुंबई में एक डॉक्टर की मौत हो गई है, उसे कोरोना वायरस से संक्रमित होने की आशंका में भर्ती किया गया था, हालांकि अभी जांच रिपोर्ट आनी बाकी है। राज्य के सांगली जिले में 12 नए केस मिले हैं और जिले में इनकी संख्या 24 हो गई है। ये सभी लोग एक परिवार से जुड़े हैं या उसके संपर्क में आए थे। यह परिवार हाल ही में सऊदी अरब से लौटा था और वायरस से संक्रमित पाया गया था। मुंबई में नौ व्यक्ति संक्रमित पाए गए हैं। राज्य में चार लोगों की अब तक मौत हो चुकी है।

तिरुअनंतपुरम में केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने हालात की समीक्षा के बाद बताया कि राज्य में एक दिन में सबसे ज्यादा 39 केस मिले हैं और संक्रमितों की संख्या 164 हो गई है। नए मामलों में राज्य के सबसे ज्यादा प्रभावित कासरगोड जिले के 34 मामले शामिल हैं। राज्य में एक लाख से ज्यादा लोगों को निगरानी में रखा गया है।

तमिलनाडु में 500 डॉक्टर नियुक्त : तेलंगाना में संक्रमण के 10 नए केस सामने आए हैं और इनकी संख्या 59 हो गई है।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों को सबक सिखाने के लिए पुलिस तरह-तरह के तरीके अपना रही है। कर्नाटक में शुक्रवार को नियम तोड़ने वालों को पुलिस ने प्लेकॉर्ड दिया। जिस पर लिखा था, मेरी गलती है। हमने नियम तोड़ा है। एएनआइ

राज्य में एक व्यक्ति को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। तमिलनाडु में छह मामले दर्ज किए गए हैं और पीड़ितों की संख्या 35 हो गई है। खराब होते हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने 500 नए डॉक्टरों को नियुक्त किया है।

कर्नाटक के तुमकुरु में 60 साल के व्यक्ति की मौत : कर्नाटक के तुमकुरु में 60 साल के एक व्यक्ति की कोरोना वायरस से मौत हो गई है। यह व्यक्ति 13 मार्च को ट्रेन से दिल्ली से लौटा था। राज्य में कोरोना से यह तीसरी मौत है। इससे पहले कलबुर्गी में एक पुरुष और चिक्कबल्लपुरा में एक महिला की मौत हो चुकी है। संक्रमण के सात नए मामले मिले हैं और यह संख्या 62 हो गई है। इनमें 10 महीने की एक बच्ची भी है। बच्ची की हालत अभी स्थिर बताई गई है।

गुजरात में मेडिकल कॉलेज के डीन की पत्नी संक्रमित पेज>>5

पहली अप्रैल से शुरू हो जाएगी पढ़ाई

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

- शैक्षणिक संस्थानों और बोर्डों के साथ मिलकर मानव संसाधन विकास मंत्रालय बना रहा है कार्यक्रम
- हर दिन लगेंगी ऑनलाइन क्लास, कौन सा चैप्टर कब पढ़ाया जाएगा, पहले दी जाएगी सूचना

कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन से घरों में बैठकर ऊब रहे स्कूली बच्चों के लिए एक बड़ी खबर है। एक अप्रैल से उनकी कक्षाएं शुरू हो जाएगी। हालांकि यह स्कूल में नहीं, घरों में ही लगेंगी। जिसे वह टीवी, यू-ट्यूब चैनल समेत दूसरे ऑनलाइन माध्यमों से अटेंड कर सकेंगे। साथ ही किस विषय की क्लास कब लगेगी और कौन सा चैप्टर पढ़ाया जाएगा, उसकी सारी जानकारी स्कूल अपने बच्चों को मोबाइल मैसेज और मेल के जरिए देगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय फिलहाल एनसीईआरटी, सीबीएसई और एनआइओएस के साथ मिलकर योजना को अंतिम रूप देने में जुटा है। देश भर के शैक्षणिक बोर्डों से भी पूरे प्लान को अपने से संबद्ध स्कूलों तक पहुंचाने के लिए तैयार रहने को कहा है। छात्रों तक ज्यादा से ज्यादा पाठ्य सामग्री पहुंचाने की भी तैयारी है। साथ ही फोन-इन प्रोग्राम, स्टूडियो क्लास आदि आयोजित की जाएगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, स्कूलों की ओर से जल्द ही बच्चों और अभिभावकों को मोबाइल या ई-मेल पर सूचना दी जाएगी। कैसे क्लास लगेगी, इसकी भी पूरी जानकारी दी जाएगी। इसके लिए टोल फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा।

चूकने के बाद भी कर सकेंगे पढ़ाई : छात्र यदि ऑनलाइन क्लास किन्ही कारणों से अटेंड करने से चूक जाते हैं तो बाद में उसे यू-ट्यूब पर देख सकेंगे। कोशिश यह भी है कि हर दिन के क्लास के वीडियो अभिभावकों के मोबाइल पर भेज दिए जाएं। ताकि छात्र बाद में किसी तरह की कठिनाई होने पर उसे देखकर समझ सकें। प्रस्तावित योजना में साफ किया गया है कि ऑनलाइन कराई जाने वाली इस पढ़ाई का परीक्षा से कोई जुड़ाव नहीं होगा। यह सिर्फ छात्रों को स्कूलों के बंद होने और 21 दिनों तक घरों में कैद रहने से होने चिंताओं से उबारने की एक पहल है।

नीट और जेईई मेंस मई के अंतिम सप्ताह तक स्थगित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : कोरोना संकट को देखते हुए सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता कम प्रवेश परीक्षा (नीट) और संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेंस को अब मई के अंतिम हफ्ते तक के लिए टाल दिया है। नई तारीखों का एलान बाद में होगा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को इसका एलान किया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने मौजूदा हालात को देखते हुए नीट और जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित कराने वाली एजेंसियों से परीक्षाओं की तारीख पर नए सिरे विचार करने के निर्देश दिए। इसके बाद एनटीए ने यह फैसला लिया। साथ ही 21 दिनों के लॉकडाउन के बाद 15 अप्रैल को नए सिरे से फिर से समीक्षा करने को कहा है। इसके साथ ही प्रवेश पत्र जारी करने की तारीख भी बढ़ा दी गई है। फिलहाल इसे 27 मार्च से ही जारी किया जाना था। जबकि जेईई मेंस का प्रवेश पत्र भी 31 मार्च से जारी होना है। अभी तक नीट की परीक्षा जहां तीन मई को होनी थी, वहीं जेईई की परीक्षा पांच अप्रैल से शुरू होकर 11 अप्रैल तक होनी थी।

डरें नहीं, जहां हैं वहीं होगी प्रवासी मजदूरों की देखभाल

कोरोना वायरस के कारण पूरे देश में लागू हुए लॉकडाउन के बाद दिहाड़ी मजदूरों के सामने गंभीर मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। यातायात साधन ठप होने के बावजूद मजदूरों का कारवां पैदल ही अपने-अपने गांव की ओर चल पड़ा है। यह नजारा गाजियाबाद के यूपी गेट का है। इस बीच केंद्र सरकार ने इस स्थिति को गंभीरता से लिया है। केंद्र ने सभी राज्यों को इन मजदूरों के लिए तत्काल ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से इस मसले पर बात की है। (संबंधित समाचार-पेज-4 पर) जागरण

सरकार का फैसला

32 वर्ष बाद धारावाहिक रामायण का आज से दूरदर्शन पर प्रसारण, जावडेकर ने कहा, सुबह और रात नौ बजे रोजाना दो एपिसोड दिखाए जाएंगे, चाणक्य, सर्कस जैसे कुछ अन्य धारावाहिकों के दोबारा प्रसारण पर भी विचार

आपके टीवी पर फिर से मंगल भवन अमंगल हारी...

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दूरदर्शन के नेशनल चैनल पर टेलीविजन इतिहास के सबसे लोकप्रिय सीरियलों में से एक रामायण की शनिवार से वापसी हो रही है और इसके साथ ही आपके टेलीविजन सेटों में फिर से रविंद्र जैन की खनकती आवाज में गूंजने जा रहा है-मंगल भवन अमंगल हारी...। यह वह सिग्नेचर आवाज है जो पूरे देश को बांध देती थी, क्योंकि उसके बाद अगले एक घंटे तक हर जगह सब कुछ थम सा जाता था। कोरोना के कहर के बीच लगाए गए लॉकडाउन के कारण भी देश थमा हुआ है और केंद्र सरकार चाहती है कि रामायण जैसे सीरियल कोरोना से लड़ने के देश के संकल्प को और मजबूत करें। रामायण के दो एपिसोड प्रतिदिन डीडी नेशनल पर सुबह नौ से दस बजे तक और फिर रात में भी इसी समय दिखाए जाएंगे। खुद सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि रामायण के पुनः प्रसारण का फैसला होने के बाद जल्द ही दूरदर्शन के कुछ दूसरे प्रमुख चैनलों पर पिछली सदी के आठवें और नौवें दशक के कुछ अन्य लोकप्रिय सीरियलों का प्रसारण भी शुरू किया जाएगा। दूरदर्शन पर रामायण का प्रसारण 1988 में खत्म हुआ था और इस तरह लगभग तीन दशक बाद इसकी छोटे पर्दे पर वापसी हो रही है।

प्रतीकात्मक फोटो

दूरदर्शन के जिन कुछ दूसरे मनोरंजक व लोकप्रिय धारावाहिकों को दोबारा प्रसारित करने पर विचार हो रहा है उनमें सर्कस, व्योमकेश बक्शी, चाणक्य, उपनिषद गंगा आदि शामिल हैं। 74 एपिसोड के रामायण की लोकप्रियता का आलम यह था कि इसके प्रसारण से पहले ही पूरा घर-परिवार पूरी आस्था और निष्ठा के साथ सीरियल देखने बैठता था। गांव-शहर सभी जगहों पर प्रसारण के दौरान सड़कें सूनी दिखाई देती थीं।

रामायण में राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल, सीता की भूमिका निभाने वाली दीपिका चिखलिया और लक्ष्मण का रोल करने वाले सुनील लाहिरी को लोगों ने उनके इस रूप को ऐसा अपने मन में बिठा लिया था कि छोटे या बड़े पर्दे पर इन्हें किसी दूसरी भूमिका में सहजता से स्वीकार ही नहीं किया गया।

डीडी भारती पर आज से महाभारत का भी प्रसारण: रामायण की तरह दूरदर्शन के लोकप्रिय धारावाहिक महाभारत का प्रसारण भी शनिवार से डीडी भारती चैनल पर शुरू हो रहा है। इसके भी दिन में दो एपिसोड प्रसारित किए जाएंगे। दोपहर 12 से एक बजे पहला और शाम सात से आठ बजे दूसरा एपिसोड प्रसारित होगा।

किसानों को बड़ी राहत, कृषि क्षेत्र को लॉकडाउन से मिली छूट

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र को लॉकडाउन नियमों से छूट देने की घोषणा की है। रबी की फसलों को लेकर किसानों को कोई दिक्कत नहीं हो इसका ध्यान रखते हुए सरकार ने शुक्रवार को मंडी, खरीद एजेंसियों, खेती से जुड़े कामकाज, भाड़े पर कृषि मशीन देने वाले केंद्रों के साथ ही कृषि से संबंधित सामान के अंतर-राज्यीय परिवहन को लॉकडाउन से छूट दे दी। (पेज-4)

ब्रह्माकुमारीज की प्रमुख दादी जानकी का निधन

जयपुर: महिलाओं द्वारा संचालित दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक संगठन ब्रह्माकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी का 104 वर्ष की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। राजस्थान के माउंट आबू के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में स्थित मैदान में किया गया। (पेज-10)

ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव

लंदन, रायटर: प्रिंस चार्ल्स के बाद ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन का कोरोना टेस्ट भी पॉजिटिव आया है। जॉनसन ने खुद को आइसोलेट कर लिया है, लेकिन महामारी से निपटने को वह वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकार का नेतृत्व करते रहेंगे।

इससे पहले ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के बेटे प्रिंस चार्ल्स का कोरोना वायरस टेस्ट भी पॉजिटिव आया था। वह स्कॉटलैंड में आइसोलेशन में रह रहे हैं। संक्रमण के खतरे को देखते हुए महारानी एलिजाबेथ भी राजमहल छोड़ चुकी हैं। ब्रिटेन के पीएम के सरकारी निवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, 'बोरिस जॉनसन में कोरोना संक्रमण के लक्षण देखे गए हैं। वह आइसोलेशन में हैं। इंग्लैंड के चीफ मेडिकल ऑफिसर प्रोफेसर क्रिस विटी की सलाह पर उनका टेस्ट कराया गया था जिसके बाद वह कोरोना पॉजिटिव निकले।'

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अपनी पार्टनर कैरी सायमंडस के साथ। एपी

इस बीच, देश में लोगों को खाना पहुंचाने, शवों के अंतिम संस्कार और एंबुलेंस के परिचालन के लिए दमकलकर्मियों की मदद लेने का एलान किया गया है। ब्रिटेन में अब तक कोरोना से 578 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 12 हजार लोग संक्रमित हैं। ब्रिटेन में गुरुवार को लोगों ने अपने घरों के दरवाजे और बालकनी में खड़े होकर स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में तालियां बजाईं।